Title : Need to provide necessary assistance to the State Government of Madhya Pradesh to check Naxalite activities - Laid

श्री गौरी शंकर चतुर्भुज बिसेन (बालाघाट) : महोदय, मध्य प्रदेश में कानून-व्यवस्था समाप्त हो चुकी है। नक्सलवादियों की समानान्तर सरकार पूरे प्रदेश में सक्रिय है। बालाघाट, राजनांदगांव, कांकेर, बस्तर, सरगुजा जिलों में अनेक नक्सलवादी ग्रुपों में सक्रिय हैं। मध्य प्रदेश शासन एवं पुलिस प्रशासन नक्सलवादी गतिविधियों को रोकने में अक्षम प्रमाणित हो गई हैं। मई १९९८ में डाबरी पुलिस चौकी, जिला बालाघाट के प्रधान आरक्षक को नक्सलवादियों ने गोली का शिकार बनाया। उसके पश्चात् दिनांक ६.७.९८ प्रातः ६.३० पर बालाघाट जिले के थाना हटटा के ग्राम खपराझरी में पुलिस नक्सलवादी मुठभेड़ में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं हटटा थाना में पदस्थ सहायक पुलिस निरीक्षक नक्सलवादियों की गोली के शिकार होकर शहीद हो गए। दो पुलिस अधिकारियों की हत्या से पुलिस प्रशासन का मनोबल टूट चुका है। राज्य सरकार एवं पुलिस प्रशासन नक्सलवादी गतिविधियों में नियंत्रण करने में अक्षम है।

भारत सरकार से निवेदन है कि केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस फोर्स (सी.आर.पी.एफ.) एवं सेना के नियंत्रण में नक्सलवाद को समाप्त किया जा सकता है, अतएव भारत सरकार हस्तक्षेप करे।